रेपो कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचे

गुणवत्ता में सुधार करने और शिकायतों के समाधान पर जोर दिया : आरबीआई

निजी बैंकों के प्रबंध निदेशकों व सीईओ की हुई बैठक

मुंबई, 10 दिसंबर. रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों से रेपो दरों में की गयी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कहा है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सार्वजनिक बैंकों और चुनिंदा निजी बैंकों के प्रबंध निदेशकों एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ यहां एक बैठक की.

इसमें आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. डॉ. पूनम गुप्ता और एस.सी. मुर्मू तथा कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे. श्री मल्होत्रा ने बैंकों से कहा कि रिजर्व बैंक ने इस कैलेंडर वर्ष में अब तक चार बार में रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती की है. इसके साथ प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का परिणाम ऋण की लागत में कमी के रूप में सामने आना चाहिये और दक्षता बढ़नी चाहिये ताकि वित्तीय समावेशन बढ़ सके. बैंकिंग सेक्टर की मजबूती का जिक्र करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि उन्हें आत्मतुष्टि का शिकार नहीं होना चाहिये और सतत गतिशील माहौल में हमेशा सतर्क रहना चाहिये. उन्होंने ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने और उनकी शिकायतों के समाधान में तत्परता की जरूरत पर जोर दिया. डिजिटल धोखाधड़ी को बढ़ते जोखिम को रेखांकित करते हुए उन्होंने इंटेलिजेंस पर आधारित सुरक्षा उपायों पर जोर दिया.

> साइबर सुरक्षा व ग्राहक संरक्षण को आरबीआई लेकर ने स्पष्ट किया है कि डिजिटल धोखाधड़ी अब सिर्फ एक जोखिम नहीं, बल्कि तत्काल कार्रवाई की माँग करने वाली चुनौती बन चुकी है। गवर्नर मल्होत्रा ने बैंकों से इंटेलिजेंस-आधारित सुरक्षा प्रणालियाँ अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि मजबूत डिजिटल ढाँचा ही उपभोक्ता विश्वास की असली नींव है। री-केवाईसी अनुपालन और अदावा जमाओं के प्रबंधन में हुई प्रगति की सराहना करते हुए उन्होंने जागरूकता कार्यक्रमों के विस्तार पर भी जोर दिया.

रुपया 17 पैसे मजबूत

मुंबई, 10 दिसंबर. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया दो दिन की गिरावट से उबरते हुए मंगलवार को 17.50 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.8750 रुपये का बोला गया.

पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 9.75 पैसे टूटकर 90.05 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपया आज 10 पैसे की गिरावट के साथ 90.15 रुपये प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन इसके बाद लगातार मजबूत हुआ. इसका उच्चतम स्तर 89.8450 रुपये प्रति डॉलर रहा.

दिल्ली में हुआ अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन

स्वामी रामदेव व जैन संत आचार्य प्रसन्न सागरजी के मार्गदर्शन में महाभियान शुरू

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर. दुर्लभ संयोग से योग और उपवास के दो शिरोमणी संत योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज और जैन संत अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के पावन मार्गदर्शन में यह दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल सम्मेलन होने जा रहा है.

जनमंगल की सम्यग्दृष्टि उपवास, ध्यान, योग व स्वदेशी चिंतन पर केंद्रित होगा. 12-13 दिसम्बर को इस सम्मेलन में हर मास-एक उपवास महाभियान के शुभारंभ पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के केबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं कपिल मिश्रा, सांसद सुधांशु त्रिवेदी, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, इंडिया टीवी चेयरमैन रजत शर्मा, जाने माने लीवर विशेषज्ञ डा. एस. के. सरीन, भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एन. पी. सिंह, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. अनुराग वार्ष्णेय गरिमा प्रदान करेंगे और संबोधन देंगे. बागेश्वर सरकार धीरेन्द्र शास्त्री डिजिटल संबोधन देंगे. वहीं पूज्य आचार्य बालकृष्ण महाराज, गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज और महंत बालकनाथ योगी महाराज पावन सानिध्य प्रदान करेंगे. आप साक्षी हैं कि दुनिया के जनमंगल हेतु योग ऋषि स्वामी रामदेव जी के अखंड-प्रचंड पुरुषार्थ से योग पूरी दुनिया में हरिद्वार से हर द्वार तक पहुंचा और मानवता को वरदान मिला.

चांदी ऑल-टाइम हाई पर

चांदी की कीमत कै 1,86,350 प्रति किलोग्राम पर खुली

नई दिल्ली, 10 दिसंबर. 10 दिसंबर को कीमती धातुओं के बाजार में जबरदस्त हलचल देखने को मिली. चांदी आज अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई, जिसने निवेशकों और कारोबारियों दोनों को चौंका दिया.

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मंगलवार सुबह चांदी की कीमत कै 1,86,350 प्रति किलोग्राम पर खुली, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है. हालांकि दिन में उतार-चढ़ाव के बाद इसमें हल्की गिरावट देखी गई और यह कै6,595 की बढ़त के साथ कै 1,85,488 प्रति किलो पर बंद हुई. इसके मुकाबले पिछले सत्र में चांदी का दाम कै1,78,893 था. यानी सिर्फ एक दिन में इसमें तेजी का बड़ा अंतर देखने को मिला. इस साल अब तक चांदी की कुल कीमत में कै 99,471 की भारी वृद्धि दर्ज की जा चुकी है, जो बाजार में मजबूत निवेशक भावनाओं का संकेत देती है. दूसरी ओर, सोने के बाजार में आज हल्की कमजोरी रही.

24 कैरेट सोना 186 टूटकर कै1,27,788 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया. इससे पहले सोमवार को यह कीमत कै1,27,974 प्रति 10 ग्राम थी. इस गिरावट के बावजूद सोना अभी भी ऊंचे दायरे में बना हुआ है. सोने ने अभी हाल ही में, 17 अक्टूबर को कै1,30,874 प्रति 10 ग्राम का अपना ऐतिहासिक उच्च स्तर (ऑल-टाइम हाई) बनाया था, जो बाजार में बढ़ती अस्थिरता और सुरक्षित निवेश की मांग को दर्शाता है.

करुणा विश्वविद्यालय में आईसीडब्लूआरएआर का सम्मेलन

नई दिल्ली, 10 दिसंबर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जल संसाधन एवं पर्यावरण अनुसंधान सम्मेलन जिसका आयोजन भारत के कोयंबटूर स्थित करुणा विश्वविद्यालय और कनाडा के ओंटारियो स्थित वाटरलू विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, का उद्घाटन आज नीदरलैंड के डेल्फ़्ट तकनीकी विश्वविद्यालय के डॉ. अर्नोल्ड हीमिंक ने किया.

यह सम्मेलन भारत और सात अन्य देशों के प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और जल विशेषज्ञों को जल प्रबंधन, स्थिरता और पर्यावरणीय लचीलेपन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाता है. प्रमुख भाषण देते हुए, सम्मेलन के अध्यक्ष और प्रसिद्ध जलविज्ञानी प्रो. ई. जे. जेम्स ने इस बात पर जोर दिया कि ग्लेशियरों का पिघलना, बार-बार आने वाली बाढ़ और सूखा जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेतक हैं. उन्होंने सुंदरबन के मैंग्रोव वनों के चिंताजनक रूप से घटते क्षय और तमिलनाडु के प्वाइंट कैलिमेरे आर्द्रभूमि के क्षरण की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जो पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है. अपने अध्यक्षीय भाषण में, करुणा ट्रस्ट के पूर्व कुलपति और सीओओ, प्रोफेसर प्रिंस अरुलराज ने वैज्ञानिकों से वैश्विक जल चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान को तेज करने और नवीन समाधान विकसित करने का आग्रह किया.

कनाडा के वाटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुमारसामी पोन्नंबलम, जो सम्मेलन के सह-अध्यक्ष भी थे, ने आईसीडब्ल्यूआरईआर के चार दशक के सफर का वर्णन करते हुए बताया कि जल और पर्यावरण पर डबलिन सम्मेलन और रियो में पृथ्वी शिखर सम्मेलन के बाद वाटरलू विश्वविद्यालय में पहला सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन था.

ऑस्ट्रेलिया स्थित मॉट मैकडोनाल्ड के तकनीकी निदेशक, इंजीनियर रॉय ई. उन्नी ने प्रतिनिधियों से जल संकट से निपटने के लिए अनुसंधान निष्कर्षों को व्यावहारिक रणनीतियों में बदलने का आह्वान किया. कनाडा के गुएल्फ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, डॉ. एडवर्ड मैकबीन ने खुलासा किया कि भारत के 70प्रतिशत सतही जल का उपभोग नहीं किया जा सकता है, और उन्होंने जल की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक बहुस्तरीय मृदा समाधान का प्रस्ताव रखा.

माइक्रोसॉफ्ट ने की भारत में 17 .5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

नई 10 दिसंबर. माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में निवेश का नया अध्याय लिख दिया है. दुनिया की शीर्ष टेक कंपनियों में शामिल यह अमेरिकी दिग्गज आने वाले चार वर्षों में भारत में 17.5 अरब डॉलर यानी लगभग 1,573 अरब रुपये का निवेश करने जा रही है. यह सिर्फ कोई साधारण निवेश घोषणा नहीं, बल्कि एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है, जो इस बात का संकेत देता है कि भारत अब वैश्विक डिजिटल इकोसिस्टम के केंद्र में पहुंच चुका है.

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने चार साल में भारत में 17.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है जो एशिया में कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा. कंपनी ने यह घोषणा यहां मंगलवार को विभिन्न वैश्विक कंपनियों के प्रमुखों से यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद की. मुलाकात करने वालों में माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी सत्य नडेला भी थे.

प्रधानमंत्री ने इस घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे देश के युवाओं को नवाचार का अवसर मिलेगा. श्री सत्य नडेला ने श्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, देश की आकांक्षा का समर्थन करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी. यह एशिया में हमारा अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा. कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह निवेश 2026 से 2029 के बीच किया जायेगा. इससे पहले जनवरी 2025 में उसने भारत में पांच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी.

पीएम मोदी ने कॉग्निजेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार एस. और चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजेश वारियर से भी मुलाकात की.

स्पाइसजेट की 100 अतिरिक्त उड़ानें शुरू होंगी

17 विमानों की संख्या में वृद्धि हुई

नयी दिल्ली, 10 दिसंबर. इंडिगो संकट के बीच किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने विंटर शिड्यूल के दौरान रोजाना 100 अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है.

स्पाइसजेट ने बुधवार को एक बयान में कहा कि महत्वपूर्ण मार्गों पर बढ़ती मांग के मद्देनजर उसकी योजना रोजाना 100 अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की है. नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद ये उड़ानें शुरू की जा सकेंगी.

उल्लेखनीय है कि इंडिगो संकट के बीच नागर विमानन महानिदेशालय ने इंडिगो को विंडर शिड्यूल की उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती करने का आदेश दिया है. इस आदेश के बाद उसे रोजाना 210 से अधिक उड़ानें कम करनी होंगी. उनकी जगह दूसरी एयरलाइंस को मौका दिया जायेगा. स्पाइसजेट की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि पिछले दो महीने में उसके बेड़े में विमानों की संख्या में 17 की वृद्धि हुई है.

तीसरे दिन लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई, 10 दिसंबर. रुपये में गिरावट से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुए. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 275.01 अंक (0.32 प्रतिशत) टूटकर 84,391.27 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 81.65 अंक यानी 0.32 प्रतिशत उतरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ. यह दोनों सूचकांकों का 11 नवंबर के बाद का निचला स्तर है. मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा बिकवाली देखी गयी.

कई देश भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने को उत्सुक : गोयल

जयपुर, 10 दिसंबर. जयपुर में आयोजित पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस के भव्य मंच से केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत की वैश्विक आर्थिक साझेदारियों पर बड़ा अपडेट दिया.

उन्होंने कहा कि भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, स्थिर नेतृत्व और तकनीकी दक्ष युवाओं के कारण कई देश भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने को उत्सुक हैं. गोयल ने बताया कि चिली, इजराइल और अमेरिका के साथ समझौते अंतिम चरण में हैं, जबकि यूरोपीय यूनियन के साथ वार्ताओं में भी उल्लेखनीय तेजी आई है. कार्यक्रम में देश-दुनिया के उद्योगपति जुटे और 1 लाख करोड़ रुपये तक के एमओयू साइन होने की संभावना जताई गई.

एक साल बाद जेजेपी की दमदार वापसी

चंडीगढ़. हरियाणा की भाजपा सरकार में करीब साढ़े चार साल तक साझीदार रही जननायक जनता पार्टी ने अपने आठवें स्थापना दिवस पर दमदार रैली कर जोरदार वापसी की है. पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में जजपा का कोई उम्मीदवार चुनाव जीतकर नहीं आया था.

भाजपा, कांग्रेस और इनेलो समेत समस्त राजनीतिक विरोधियों ने तब जजपा को हरियाणा के सियासी परिदृश्य से बाहर मान लिया था, लेकिन जजपा अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और उनके छोटे भाई जजपा यूथ विंग के अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने जींद के जुलाना में जिस तरह उत्साहित कार्यकर्ताओं की मजबूत रैली की, उससे प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में जजपा का पुनर्जन्म हुआ माना जा रहा है.

साल 2018 में इनेलो से अलग होने के बाद जजपा ने जींद के पांडु पिंडारा में अपनी पहली रैली की थी. उसके बाद 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में जजपा के 10 विधायक जीतकर आए, तब अजय सिंह चौटाला, दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला ने भाजपा के साथ सरकार में गठबंधन करने का निर्णय लिया. इस गठबंधन का दुष्यंत के विरोधियों ने यह कहते हुए खुला विरोध किया कि उनकी पार्टी को भाजपा के विरोध में मत दिए गए थे, लेकिन वे भाजपा के साथ ही जाकर मिल गए. तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध हुए आंदोलन के दौरान भी दुष्यंत चौटाला द्वारा भाजपा सरकार का डिप्टी सीएम का पद नहीं छोड़ने पर उनकी काफी मुखालफत की गई थी, लेकिन जुलाना रैली में दुष्यंत चौटाला ने हर उस सवाल का तथ्यों के साथ जवाब दिया, जिसका सामना वह पिछले कई सालों से करते चले आ रहे थे.

नये सिरे से राजनीतिक सफर तय करने की तैयारी

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व उनके भाई दिग्विजय चौटाला ने जुलाना रैली में दमखम दिखाकर भाजपा व कांग्रेस खासकर भूपेंद्र हुड्डा दोनों को निशाने पर रखा. वे खुली थार जीप में रैली के मंच तक पहुंचे, जिसे एक महिला चला रही थी. महिला सशक्तीकरण, कानून व्यवस्था की स्थिति, नौकरियों में कथित भेदभाव, किसानों को मुआवजा नहीं मिलने, बीपीएल कार्ड काटने, पेंशन में बढ़ोतरी नहीं होने तथा खेलों में ढांचागत सुधार नहीं होने के मुद्दे रैली में उठाकर दुष्यंत चौटाला ने भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस पर भी हमला बोला है.

कांग्रेस-भाजपा और लेफ्ट ने मिलाया हाथ

सियासी हलकों में मचा हड़कंप, किसे हराने के लिए हुआ गठबंधन?

तिरुवनंतपुरम. दक्षिण भारतीय राज्य केरल की राजनीति में हमेशा कुछ अनोखा होता रहता है. नए-नए एक्सपेरिमेंट किए जाते हैं और उन पर नेशनल लेवल पर चर्चा होती है. इस बार केरल में भी कुछ ऐसा ही हुआ है. राज्य में लोकल बॉडी इलेक्शन होने वाले हैं.

यहीं पर एक नया प्रयोग देखने को मिल रहा है. इन इलेक्शन से पहले एक दिलचस्प पॉलिटिकल डेवलपमेंट हुआ है. कांग्रेस, सीपीआई (एम) और भाजपा ने मिलकर इलेक्शन लड़ने का फैसला किया है. अब सवाल यह उठता है कि एक-दूसरे की धुरविरोधी ये तीनों पार्टियां एक साथ क्यों आई हैं. ऐसा कौन सा खौफ है जिसने तीनों ही पार्टियों में दहशत भर दी है?

इस बार केरल की पॉलिटिक्स में एक अनोखा समीकरण देखने को मिल रहा है. कांग्रेस, सीपीआई (एम) और भाजपा (तीनों दुश्मन पार्टियां) कोच्चि के पास मौजूद काइटेक्स ग्रुप की पॉलिटिकल ब्रांच ट्वन्टी 20 के तेजी से बढ़ते असर का मुकाबला करने के लिए एक साथ आई हैं. लोकल बॉडी इलेक्शन में इन पार्टियों ने इस कॉर्पोरेट-सपोर्टेड पार्टी को चैलेंज करने के लिए किझाक्कमबलम में एक जॉइंट इंडिपेंडेंट कैंडिडेट उतारा है. ट्वन्टी 20 को 2013 में काइटेक्स ग्रुप ने एक सीएसआर प्रोग्राम के तौर पर लॉन्च किया था. मकसद किझाक्कमबलम गांव को डेवलप करना था, जहां कंपनी की बड़ी गारमेंट यूनिट है.

> **भाजपा-कांग्रेस और लेफ्ट में खौफ क्यों?**
>
> अब सवाल उठता है कि केरल की तीन बड़ी पार्टियां क्यों घबराई हुई हैं? इस बार ऑर्गनाइज़ेशन 48 पंचायतों कोच्चि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, तीन म्युनिसिपैलिटी और कई जिलों में चुनाव लड़ रहा है. कुछ पंचायतों में सभी सीटों पर उनके कैंडिडेट हैं. पूथ्रिका पंचायत में सभी कैंडिडेट महिलाएं हैं. ट्वन्टी 20 के इस प्लान ने कांग्रेस, सीपीआई (एम) और भाजपा को चिंता में डाल दिया है.

2015 में ग्रुप ने पहली बार पंचायत चुनाव जीते.

सिद्धू की संभावना खत्म हो रही है

चंडीगढ़. नवजोत सिंह सिद्धू का राजनीतिक करियर मुश्किल में है. वे न तो सांसद हैं और न विधायक और न कांग्रेस पार्टी में उनके पास कोई पद या जिम्मेदारी है. कांग्रेस चाहती तो उनको जैसे ऊर्जावान नेता को प्रदेश या केंद्रीय संगठन में प्रभावी तरीके से इस्तेमाल कर सकती थी.

रवनीत सिंह बिट्टू के भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस को एक प्रभावशाली सिख चेहरे की जरुरत दिल्ली, हरियाणा और पंजाब तीनों की राजनीति के लिए चाहिए. लेकिन कांग्रेस ने नवजोत सिंह सिद्धू को बर्फ में डाल दिया, जिसे पंजाबी में खुड्डे लाइन लगाना कहते हैं. ध्यान रहे भाजपा में थे तो सिद्धू तीन बार सांसद बने और भाजपा से उनकी पत्नी नवजोत कौर विधायक भी बनीं. कांग्रेस में गए तो सिद्धू एक बार विधायक बन पाए हैं. बाकी नवजोत कौर का राजनीतिक करियर भी डूब गया.

अब नवजोत कौर ने एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि नवजोत सिंह सिद्धू को कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री का चेहरा बना कर चुनाव लड़े तो उसको फायदा होगा. लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह जोड़ दिया कि उनके पास पांच सौ करोड़ रुपए नहीं हैं.

विशेष पोस्टरों से अटकलें हुईं तेज

क्या नीतीश के बेटे को मिल रहा जेडीयू का नेतृत्व?

पटना. पटना में लगे पोस्टरों से बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है. इन पोस्टरों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार से पार्टी की कमान संभालने की अपील की गई है.

यह सब तब हुआ है जब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की है. जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) के एक कार्यकर्ता कृष्ण पटेल ने ये पोस्टर लगाए हैं. पोस्टरों पर लिखा है, अब पार्टी की कमान संभालें निशांत भाई.

निशांत कुमार उनके राजनीति में आने के सवालों को हमेशा टालते रहे हैं. उन्होंने अब तक कभी भी राजनीति में रुचि नहीं दिखाई. लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद से उनके राजनीति में आने और पिता नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत संभालने की अटकलें चल रही हैं. हालांकि नीतीश कुमार ने भी कभी इस बात के संकेत नहीं दिए कि निशांत राजनीति में प्रवेश करेंगे. अब जब यह पोस्टर लग गए हैं, तब यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या यह नीतीश कुमार, या जेडीयू के बड़े नेताओं की सहमति से लगाए गए हैं?

बिहार में दो परिवार संभाल रहे बड़ी राजनीतिक विरासत निशांत कुमार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इकलौते बेटे हैं. वे अभी तक राजनीति से दूर रहे हैं. उनकी तुलना तेजस्वी यादव और चिराग पासवान जैसे नेताओं से की जा रही है.

आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री हैं और उनके पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी भी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं. लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान केंद्र सरकार में मंत्री हैं और उनके पिता राम विलास पासवान भी एक बड़े नेता थे. बिहार के विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष ने नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए थे. उस समय निशांत कुमार ने लोगों को भरोसा दिलाया था कि उनके पिता स्वस्थ हैं.

> **जेडीयू के मजबूत होने के बाद निशांत का नाम आया**
>
> जेडीयू ने बिहार विधानसभा चुनाव में 85 सीटें जीतीं. यह बीजेपी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी. बीजेपी ने 89 सीटें जीती हैं. एनडीए ने कुल 243 में से 202 सीटें जीतीं. नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है. वे निरंतर 20 सालों से, यानी नवंबर 2005 से बिहार के मुख्यमंत्री हैं. तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने विपक्ष के गठबंधन का नेतृत्व किया था. चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) ने 28 में से 19 सीटें जीती हैं. निशांत कुमार के समर्थन में यह पोस्टर ऐसे समय में लगाए गए हैं जब एनडीए ने बिहार में बड़ी जीत दर्ज की है. नीतीश कुमार के बेटे के राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गई हैं. यह देखना दिलचस्प होगा कि इस पर जेडीयू की और नीतीश कुमार की आधिकारिक रूप से क्या प्रतिक्रिया होती है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह पोस्टर पार्टी के अंदर नए नेतृत्व की तलाश का संकेत हो सकता है. निशांत कुमार सार्वजनिक जीवन से दूर रहकर रहस्यमय बने हुए हैं. ऐसे में उनका पार्टी की कमान संभालना एक बड़ा बदलाव ला सकता है.